हिन्दी ENGLISH भारत मराठी বাংলা தமிழ் മലയാളം ગુજરાતી తెలుగు ಕನ್ನಡ ଓଡ଼ିଆ سلام BUSINESS TECH WORLD HEALTH के लिए www.nbanewdelhi.com पर लॉग ऑन करें.

ZNEWS हिंदी

Add as a preferred source on Google LOGIN

LATEST IPL 2026 चुनाव 2026 देश मनोरंजन राशिफल धर्म खेल दुनिया बिजनेस प्रॉपर्टी एक्सप्लेनर लाइफस्टाइल क्राइम करियर जरा हटके टेक साइंस

ADVERTISEMENT

आप बहुत गलत तरीके से जी रहे थे, अब आपको बता रही जिंदगी

दस में से एक होता है जिसको बात समझ में आती है कि यह जो महामारी आई है, यह कुछ बता रही है, कुछ हमें समझना पड़ेगा. ज़िंदगी आपको बताना चाहती है कि आप बहुत-बहुत गलत जी रहे थे.

Written By Acharya Prashant | Last Updated: Jun 09, 2020, 05:53 PM IST

WhatsApp चैनल से जुड़ें

Trending Photos

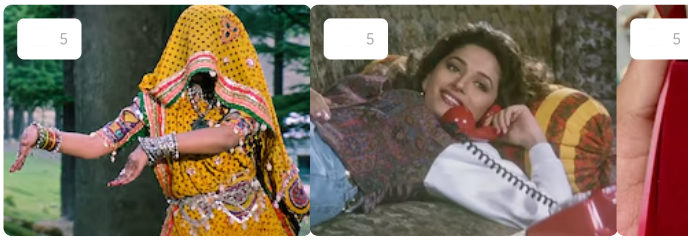

bollywood superhit songs

4 मिनट 54 सेकेंड का वो आइकॉनिक गाना...जिसे सुनते ही छलक पड़ेंगी पुरानी यादें, 35 साल बाद भी तोड़ देता है दिल; फिर भी सुनते हैं बार-बार

Bollywood Superhit Films

3 घंटा 26 मिनट की वो फिल्म...जिसने 90s में तोड़े कई रिकॉर्ड, 14 गानों ने बनाया था दीवाना; ये 4 तो आज भी करते हैं दिलों पर राज

lifestyle

2 ग्राम सोने इयररिंग्स, रॉयल लुक

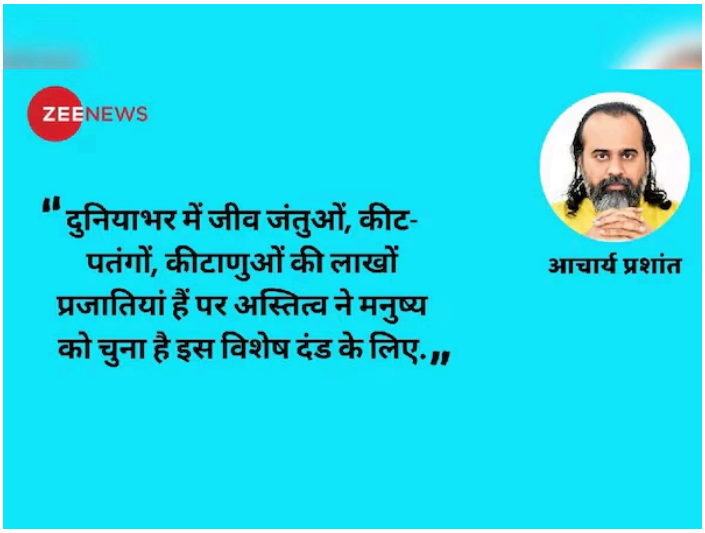

ज़िंदगी की छोटी-से-छोटी स्थिति भी आपके सामने आती है तो अगर आपकी सुधरने की, सीखने की नीयत है तो उस स्थिति के

बाद आप वैसे ही नहीं रह जाएंगे जैसे कि आप उस स्थिति के पहले थे. यह मैंने बात करी जीवन की किसी भी साधारण स्थिति की. अभी जो वैश्विक आपदा हमारे सामने है, वह तो निश्चित ही असाधारण है. जो लोग इस आपदा के बाद भी वैसे ही रह जाए जैसा वो इसके पहले थे, उन्होंने तो फिर ठान रखी है कि जीवन से कुछ सीखना ही नहीं है, अहंकार उनका इतना सघन हो चुका है कि वह बदलने को, पिघलने को राजी ही नहीं हैं.

ADVERTISEMENT

तो इस महामारी के प्रति दो तरह का रवैया रखने वाले लोग हैं, पहले वो, जो लगातार इन दिनों इसी कामना में, इसी प्रार्थना में, इसी प्रयत्न और जुगाड़ में लगे होंगे कि किसी तरीके से पहले वाले हालात वापस आ जाएं. इतनी असाधारण मार पड़ने के बाद भी, नब्बे-पच्चानवें प्रतिशत लोग वहीं हैं, जो सोच रहे हैं कि 'यह आपदा तो यूं ही संयोगवश आ गई है ज़िंदगी में तमाम तरह की घटनाएं-दुर्घटनाएं होती रहती हैं, वैसे ही एक यह भी हो गई है. अरे! जल्दी से यह बला टले, हम अपने काम ढर्रों पर वापस आएं.' दस में से नौ लोग ऐसे ही हैं.

You May Like Sponsored Links by Taboola

नवीन लाँच - लोढा कॅमलोट - खराडी, पुणे

Lodha Group Get Offer

New Pricing: Grammarly's India Plus Plan Is Available Now

Grammarly Learn More

Powered By

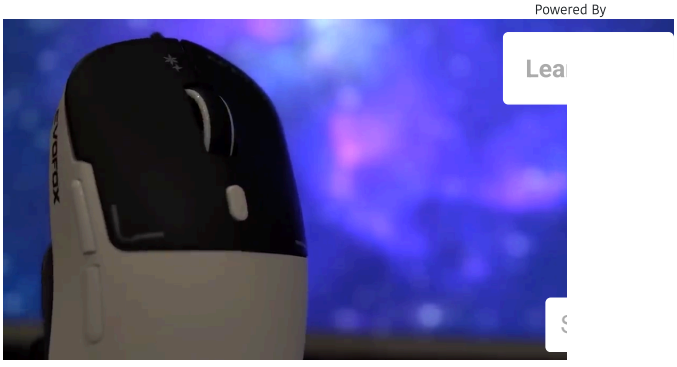

कोई एकाध ऐसा होता है जिस पर यह आपदा, कष्ट के यह दिन, सामान्य जीवन में व्यवधान की अवधि एक सार्थक और सकारात्मक असर करके जाती है. दस में से एक होता है जिसको बात समझ में आती है कि यह जो महामारी आई है, यह कुछ बता रही है, कुछ हमें समझना पड़ेगा. ज़िंदगी आपको

बताना चाहती है कि आप बहुत-बहुत गलत जी रहे थे. दुनियाभर में जीव जंतुओं, कीट-पतंगों, कीटाणुओं की लाखों प्रजातियां हैं पर अस्तित्व ने मनुष्य को चुना है इस विशेष दंड के लिए. किसी को वह सजा नहीं मिल रही है जो मनुष्य को मिल रही है. तो आपको विचार करना होगा न कि मनुष्य मात्र को ही यह स्थिति क्यों देखनी पड़ रही है. कुल 2 दशक बीते हैं इस शताब्दी के, इसी शताब्दी में यह चौथी महामारी है जो इंसानों के ऊपर गिरी है. जो पहले तीन थीं उनकी तीव्रता, विस्तार ज़रा कम था.

Add Zee News as a Preferred Source

Add as a preferred source on Google

TRENDING NOW

सोने का ब्रेकफेल,₹18000 हुआ सस्ता, अब तक ₹1.21 लाख टूट चुकी है चांदी...अब आगे क्या, कहां जाएगी कीमत, क्या है खरीदारी ...

Mumbai Bulldozer Action: मुंबई के बांद्रा में दो अवैध मस्जिदों पर चला बुलडोजर, विरोध करने पहुंचे लोगों पर लाठीचार्ज

इससे पहले भी हम पर जो वायरल आक्रमण हुए, वो कोरोना वायरस ही थे पर वह दूसरे थे और क्या यह मात्र संयोग है कि वह सब भी उन्हीं कारणों से उठे थे जिन कारणों से कोविड-19 उठा है?

मनुष्य का पशुओं से अनैसर्गिक संबंध, अभी तक की, कम-से-कम इस शताब्दी की महामारिओं का कारण रहा है, चाहे वह स्वाइन फ़्लू हो, चाहे बर्ड फ़्लू हो, सार्स हो, मर्स हो, इबोला हो, सब में एक बात साझी ही रही है. आदमी का प्रकृति से गलत संबंध. प्रकृति का शोषण, प्रकृति का दोहन, पशुओं पर अत्याचार और अगर अत्याचार नहीं तो कम-से-कम उस तरह का संबंध जो किसी भी दृष्टि से होना नहीं चाहिए. प्रकृति जैसे बार-बार सावधान कर रही है, चिल्ला-चिल्ला कर चेतावनी दे रही है लेकिन हम कितने मूर्ख और कितने बहरे हैं और भोग के कितने लोलुप हैं कि हमें कुछ सुनाई ही नहीं दे रहा है. सुनाई दे भी रहा है तो हम सुनना, समझना चाहते नहीं.

ये आपदा हमारी भोगवादिता का नतीजा है. ये आपदा नतीजा है एक बिल्कुल ही गलत जीवन-दर्शन का जो हमसे कहता है कि हम शरीर मात्र हैं और जीवन का उद्देश्य है खाना-पीना, मौज बनाना, सुख करना, भोग करना. यही इस समय विश्व पर छाया हुआ सिद्धांत है. कहने को विश्व में इस वक्त बहुत धर्म हैं, पंथ हैं, मज़हब हैं, लेकिन इस वक्त विश्व में वास्तव में पूछिए तो हकीकत में निन्यानवे प्रतिशत लोग सिर्फ एक धर्म को मानने वाले हैं, उसका नाम है, भोग धर्म.

ये जो आपदाएं हम पर एक-एक कर के टूट रही हैं, उसका कारण है 'भोग धर्म'. इस भोग धर्म ने हमको सच्चे धर्म से अलग

कर दिया है. इस भोग धर्म ने हमें सिखा दिया है कि हम हीं बादशाह हैं, हम कुछ भी कर सकते हैं. हमने ये जीत लिया, हमने ये वैक्सीन बना ली, हमने ये आविष्कार कर लिया, हम चांद पर पहुंच गए, हम मंगल ग्रह पर चढ़ जाएंगे, हम ही बादशाह हैं, हम जो चाहे कर सकते हैं, हम मौत को मात दे देंगे. हम हीं सबकुछ हैं. ये जो गलत, भ्रष्ट और आसुरी जीवन दर्शन है यही सब आपदाओं का कारण है.

यह जो नई पीढ़ी निकल के आ रही है हिंदुस्तान में खास तौर पर बड़े मेट्रो शहरों में, इनमें से कितने बच्चे मंदिर भी कभी जाते हैं? इन्हें गीता-उपनिषद क्या पता होंगे? इन्हें तो रामायण महाभारत के पात्रों के नाम ही नहीं पता, हां और बहुत चीजें हैं जो इनको पता हैं. लेकिन जब आप धर्म से कटते हो, तो आप जानते हो आप किन चीजों से कटते हो? जब आप धर्म से कटते हो, तब आप करुणा से कटते हो, आप बोध से कटते हो, आप प्रेम से कटते हो, आप विवेक से कटते हो. जो कुछ जीवन को जीने लायक बनाता है, सब खाली हो जाता है आपकी जिंदगी में जब आप धर्म से कटते हो.

मेरी बात सुनने में अटपटी लगेगी, आप कहेंगे कि एक चीज जो बिल्कुल वैज्ञानिक है उसको मैं आध्यात्मिक कलेवर क्यों दे रहा हूं? और थोड़ा अगर आप शांति से समझेंगे तो शायद समझ सकेंगे यह आपदा मूलतः आध्यात्मिक है. हम अधर्म का जीवन जी रहे हैं, हमने शास्त्रों को दरकिनार कर दिया है. धर्म हमारे लिए खिलवाड़ बन गया है और धर्म जीवन की कोई बाहरी या पारिधिक चीज नहीं होती, धर्म जीवन का केंद्र होता है. आदमी एक तनाव है, आदमी एक बेचैनी है, आदमी एक भीड़ है, आदमी एक सूनापन है, आदमी एक चीख है, उससे आदमी को आजादी दिलाने के विज्ञान का नाम धर्म है. जब आपकी ज़िंदगी में धर्म नहीं होगा, तो आपकी ज़िंदगी विक्षिप्त हो जाएगी, आप अपने ही खिलाफ जिओगे, आप हर वह काम करोगे जो आपको और दुनिया को तबाह करेगा और उसी तरह की एक तबाही कोरोना महामारी के रूप में हम पर बरस रही है. यह आपदा आई है आपको, आप तक वापस ले जाने के लिए या आपको आपकी जड़ों से मिलवाने के लिए.

हम जड़ हीन हैं. जैसे मिट्टी में गड़ा हुआ कोई प्लास्टिक का पौधा. दूर से देखो तो लगता है कितना खुशहाल है, कितना हरा है, लेकिन है जड़हीन, प्राण नहीं है उसके पास. बस ऐसा तो हमारा जीवन है. यह आपदा एक अवसर बनकर आई है ताकि आप अपनी जड़ों को हासिल कर सको, आप अपने मूल तक पहुंच सको.

यह अवसर मत गवाईए. दोबारा लौटकर उसी पुरानी ज़िंदगी में वापस मत जाइए, ये निवेदन है. हम सब गलत जी रहे हैं, हमारा आज का जीवन दर्शन गलत है जिसके कारण हमारी सब मान्यताएं गलत, हमारे रिश्ते-नाते गलत, हमारे विचार गलत,

हमारी आशाएं उम्मीदें गलत, हमारी योजनाएं गलत. उन सब पर पुनर्विचार करिए. उन सभी चीजों को बदल डालिए, अभी मौका मिला है कर डालिए. कौन जाने आगे मौका मिले-न-मिले?

(लेखक: आचार्य प्रशांत बोध साहित्य मर्मज्ञ, वक्ता, IIT-IIM alumnus और पूर्व जन सेवक हैं.)

(डिस्क्लेमर: इस आलेख में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं.)

About the Author

Acharya Prashant

TAGS

आचार्य प्रशांत | Acharya Prashant | कोरोना वायरस | Coronavirus | कोविड-19 | Covid-1

Kolhapur: Best Public Speaking Course for Children

Start Your Child's English Transformation Now!

Planet Spark | Sponsored — Learn More

Kolhapur: Best English Speaking Course for Children

Start Your Child's English Transformation Now!

Planet Spark | Sponsored — Book Now

Start Forex Trading. Get a 100% Welcome Bonus

LFind out why you should join iFOREX, a regulated broker with over 25 years of experience. Open your iFOREX account and enjoy a 100% Welcome Bonus. Si…

iFOREX | Sponsored — Sign Up

ओल्ड पाईस येथे नवीन लाँच - जॉयव्हिल सेलेस्टिया - २ बीएचके: ७२ लाख*

शेवटचा निर्णय! जॉयव्हिल सेलेस्टिया, हडपसर अॅनेक्स, पुणे येथे तुमच्या स्वप्नातील घर घ्या. प्रशस्त २,

Drive Honda Elevate with Summer Benefits.

Get benefits up to ₹2.12 lakh* including 360° Surround Vision Camera and Smart Dash cam complimentary with Elevate ZX. T&C Apply.

नवीन लाँच - लोढा कॅमलोट - खराडी, पुणे

लोढा कॅमलोट खराडी ₹२.३४ कोटी* पासून सुरू होणाऱ्या किमतीत खास ३, ३.५ आणि ४.५ बीएचके फ्लॅट्स देते. खराडीचे सर्वात प्रतिष्ठित ठिकाण. ८०% मोकळ्या जागा, काही मोजक्या लोकांसाठी …

Lodha Group | Sponsored — Get Offer

New Pricing: Grammarly's India Plus Plan Is Available Now

Writing is a reflection of you. Grammarly Plus ensures your words are clear, professional, and strong.

Use English Often? Grammarly Plus Can Help Build Your Reputation

New for India, Grammarly Plus offers AI writing guidance at a new price.

Grammarly | Sponsored — Learn More

25 Best Hitters In Baseball History, Ranked From First To Last